>

Title: Reported leakage of question papers of Railway Recruitment Board examination in Uttar Pradesh on 15.12.2008.

श्री गणेश सिंह : माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं रेलवे प्रशासन की विफलता की तरफ सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं। 14 दिसम्बर को इलाहाबाद में रेलवे भर्ती बोर्ड ने एक परीक्षा आयोजित की थी, उसके पहले उसका पेपर आउट हो गया। तीन-तीन, चार-चार लाख रुपए में पेपर बेचे गए। वहां की लोकल पुलिस ने उसे पकड़ा। मैं यह बात इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि रेलवे प्रशासन जब-जब भी इस तरह की भर्ती का आयोजन करता है तो उसके पहले पेपर आउट होते हैं। यह घटना पहली बार नहीं हुई है।, देश में कई बार ऐसा हुआ है।।

अध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहता हूं कि लगातार इस तरह की गलतियां क्यों हो रही हैं? इसमें कहीं कोई बड़ी एक साजिश है, ऐसा लगता है कि कोई गिरोह है, जो रेलवे भर्ती बोर्ड में लगातार लम्बे समय से इस तरह का काम कर रहा है। मैं कहना चाहता हूं कि इस पर तत्काल रोक लगाई जाए। लाखों बेरोजगार नौजवानों के साथ धोखा हो रहा है, उनके साथ मजाक हो रहा है। ऐसी व्यवस्था बने कि रेलवे भर्ती बोर्ड पूरी तरह से निष्पक्ष रूप से परीक्षा आयोजित करके लोगों के साथ न्याय करे। धन्यवाद।

MR. SPEAKER: While expressing my great annoyance at the attitude taken by him in the House, I call Shri Ram Kripal Yadav, whose lack of seriousness is shown because he is sitting elsewhere.

Yes, please speak now.[r13]

SHRI RAM KRIPAL YADAV : I am sorry, Sir.

अध्यक्ष महोदय : अंग्रेजी की अच्छी बात तो सुन ली। क्या सॉरी बोलने से ही सब कुछ हो जाएगा?

SHRI RAM KRIPAL YADAV (PATNA): I am very sorry, Sir.

अध्यक्ष महोदय : ठीक है।

श्री राम कृपाल यादव : अध्यक्ष महोदय, मुझे उम्मीद है कि आपने मुझे क्षमा कर दिया होगा।

अध्यक्ष महोदय : आप बोलिए। टाइम नहीं है।